PhD viva Voce conducted at ICFAI University thru Video Conferencing – Sept 24, 2020

the pioneer

RANCHI | FRIDAY | SEPTEMBER 25, 2020

PHD VIVA VOCE AT ICFAI UNIVERSITY

PhD Viva Voce of the PhD Scholar, Aniruddha Bhowmick was conducted today at ICFAI University, Jharkhand through Video-Conferencing. External Examiners were Dr S K Dubey, Director, Institute of Management Studies, BHU, Varanasi and Dr Manoj Mishra, Asst Professor, Chanakya National Law University, Patna. Bhowmick did PhD on "Factors Influencing Consumer Preferences for Over-The-Counter (OTC) Allopathic Medicine". Dr Mridanish Jha was his supervisor. After Viva Voce, Bhowmick was declared eligible for the award of PhD, subject to completion of formalities. Prof O R S Rao said, "A lot of people, particularly in urban and rural areas , go in for Over-The-Counter Allopathic Medicines for minor ailments like cold, cough, indigestion etc ,as they can be purchased without prescription and also because of low cost. In view of this, the topic of research is very relevant as it throws light on consumer behavior for purchasing the same."

सन्मार्ग
हम, आप सब तो जंग में साथ कोरोना नहीं फटकेगा पास
रांची, शुक्रवार 25 सितंबर 2020
04

इक्फाई विवि में पीएचडी वाइवा वायस का आयोजन

संवाददाता

रांची : पीएचडी स्कॉलर, अनिरुद्ध भौमिक को गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में वाइवा वायस आयोजित किया गया। एक्सटर्नल परीक्षक डॉ एसके दुबे, बीएचयू वाराणसी निदेशक डॉ मनोज मिश्र, असिस्टेंट प्रो चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, पटना के थे। श्री भौमिक ने ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) एलोपैथिक मेडिसिन के लिए फैक्टर्स इन्फ्लुएंसिंग कंज्यूमर प्रेफरेंस पर पीएचडी की। डॉ मृदनीश झा उनके पर्यवेक्षक थे। वाइवा वायस के बाद, श्री भौमिक को पीएचडी के पुरस्कार के लिए पात्र घोषित किया गया। प्रो ओआरएस राव ने श्री भौमिक को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा, बहुत से लोग,

विशेष रूप से शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में, ठंड, खांसी, अपच आदि जैसी छोटी बीमारियों के लिए बिना पर्चे के और कम लागत के कारण ओवर-द-काउंटर एलोपैथिक दवाओं के लिए जाते हैं। इसे देखते हुए, अनुसंधान का विषय बहुत ही प्रासंगिक है क्योंकि यह समान खरीदने के लिए उपभोक्ता व्यवहार पर प्रकाश डालता है। प्रो राव ने कहा कि अध्ययन की प्रमुख शोध में से एक है की विशिष्ट बीमारियों और उनके दुष्प्रभावों के लिए ओटीसी दवाओं पर लोगों में जागरूकता पैदा करना है। दोनों एक्सटर्नल परीक्षकों ने विश्वविद्यालय की पीएचडी प्रक्रिया की कठोरता की सराहना की, जिसके कारण शोध की गुणवत्ता व्यवहारिक बनती है। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान करने के लिए एवं मार्गदर्शन और सुविधा के लिए विश्वविद्यालय और उनके पर्यवेक्षक को धन्यवाद दिया। प्रो अरविंद कुमार, रजिस्ट्रार डॉ भगत बारिक, एसोसिएट डीन, डॉ रमना बहुगुणा, प्रो और अन्य संकाय सदस्यों और पीएचडी विद्वानों ने ओपन वाइवा सत्र में भाग लिया।

इक्फाइ विवि में ऑनलाइन पीएचडी वायवा

रांची. इक्फाइ विवि में गुरुवार को ऑनलाइन पीएचडी वायवा हुआ. प्रबंधन अध्ययन संस्थान बीएचयू के निदेशक एसके दुबे व चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ मनोज मिश्र ने स्कॉलर अनिरुद्ध भौमिक का वीडियो कांफ्रेंसिंग से वायवा लिया.पर्यवेक्षक की भूमिका डॉ मृदनीश झा ने निभायी. कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि इनका विषय फैक्टर्स इनफ्लुएंसिंग कंज्यूमर प्रिफरेंस था. रजिस्ट्रार डॉ अरविंद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया.

प्रभात खबर
Fri, 25 September 2020
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/552

खबर मन्त्र

इक्फाई विश्वविद्यालय में पीएचडी वाइवा वायस का आयोजन

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय में पीएचडी स्कॉलर अनिरुद्ध भौमिक की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वाइवा वायस आयोजित किया गया। अनिरुद्ध भौमिक ने ओवर - द-काउंटर एलोपैथिक मेडिसिन के लिए फैक्टर्स इन्फ्लुएंसिंग कंज्यूमर प्रेफरेंस पर पीएचडी की। डॉ मृदनीश झा उनके पर्यवेक्षक थे। वाइवा के बाद उन्हें पीएचडी के लिए पात्र घोषित किया गया। एक्सटर्नल परीक्षक के रुप में बीएचयू वाराणसी के प्रबंधन अध्ययन संस्थान के निदेशक डॉ एसके दूबे और चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी पटना के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ मनोज मिश्र शामिल हुए।